चाय की माइट्स व प्रबंधन

चाय को दुनिया भर के विभिन्न देशों में विविध कृषि पारिस्थितिक परिस्थितियों में उगाया जाता है। उत्पादन के क्षेत्र में विश्व स्तर पर भारत का योगदान 28% है। भारत में चाय को असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में मुख्य रूप से उगाया जाता है। हिमाचल प्रदेश में चाय के बागान कांगड़ा व मंडी जिला में हैं। चाय को विभिन्न प्रकार के हानिकारक कीट व माइटस नुकसान पहुंचाते हैं।

कांगड़ा जिले में चाय को नुकसान पहुंचाने वाली माइट्स

रैड स्पाइडर माइट (Red Spider Mite)

पहचान व जीवन चक्र:

रैड स्पाइडर माइट चाय के पौधों का रस चूसते हैं, जिस कारण पत्तियों का रंग पीतल के रंग की तरह हो जाता है। ये माइट्स परिपक्व पत्तों (Matured leaves) की ऊपरी सतह और नवीन पत्तों (younger leaves) की निचली सतह को पसंद करते हें। युवा पौधे माइट्स के अटैक के लिए अतिसंवेदनशील होते हैं।

प्रजनन मुख्य रूप से संभोग के बिना होता है। जीवन चक्र में अंडा (egg), लार्वा (larva), प्रोटोनिम्फ (protonymph), ड्यूटोनिम्फ (deutonymph) और वयस्क (adult) चरण (stages) हैं। प्रयोगशाला की स्थिति में अंडे से वयस्क समयावधि 20 °C पर 10-11 दिन होती है।

प्रबंधन

- बागानों में काम करने वालों का माइट्स ग्रसित क्षेत्रों से बिना ग्रसित क्षेत्रों में जाना पूर्णतया बंद कर देना चाहिए।
- धूप वाले बागान माइट्स के प्रकोप के लिए अनुकूल होते हैं, इसलिए छाया पेड़ों का रोपण सिफारिश के अनुसार करना चाहिए।
- बागानों के आसपास से अवांछित/ वैकल्पिक पौधों को नष्ट कर देना चाहिए।
- नाइट्रोजन की भारी ख़ुराक वाली झाड़ियों में माइट्स का संक्रमण ज्यादा होता है। पोटाश और फास्फोरस की ख़ुराक देने से माइट्स के संख्या में कमी आती है, इसलिए फर्टिलाइजर्स का उचित उपयोग करना आवश्यक है।
- बागानो में खड़ा पानी माइट्स के लिए अनुकूल होता है, इसलिए पानी की निकासी का उचित प्रबंध होना चाहिए।

यदि माइट्स का प्रकोप ज्यादा हो तो पंद्रह दिनों के अंतराल पर निम्न अकेरिसाईडस (acaricides) का छिड़काव करें।

अकेरिसाईडस	छिड़काव की मात्रा (मि० ली०/लीटर)	तुडान के लिए प्रतीक्षा अवधि (दिन)	अकेरिसाईडस	छिड़काव की मात्रा (मि० ली०/लीटर)	तुडान के लिए प्रतीक्षा अवधि (दिन)
Fenpyroximate 5 EC	1.0	7	Fenpropathrin 30 EC	2.5	7
Hexythiazox 5.45 EC	1.0	5	Dicofol 18.5 EC	5.0	15-20
Spiromesifen 22.9 SC	1.0	7	Neem Extract (Azadirachtin 5% W/W)	0.5	5
Fenazaquin 10 EC	2.5	7			

- रीपीट राउंड में अल्टर्नेट अकेरिसाईडस (acaricides) का छिड़काव करें।
- छिड़काव शुबह व शाम को करना चाहिए। धूप वाले दिन, दिन के समय छिड़काव न करें।
- झाड़ी के ऊपर, मध्य व नीचे के हिस्सों की पूरी तरह से ड्रेंचिंग (drenching) माइट्स की आबादी को नियंत्रित करने के लिए अति आवश्यक है।

सीएसआईआर–हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान
CSIR-Institute of Himalayan Bioresource Technology

पालमपुर, हिमाचल प्रदेश, 176061 (भारत)
Palampur, Himachal Pradesh, 176061 (INDIA)

दूरभाष : 01894–230411 फैक्स : 01894–230433
E-mail: director@ihbt.res.in; Website http://www.ihbt.res.in